



राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY

श्रीनगर/SRINAGAR

हिंदी दिवस

14 सितम्बर, 2021

HINDI DIWAS

14 September, 2021

गर्व से कहें हिंदी हैं हम  
Let's take pride in Hindi

## निफ्ट श्रीनगर में हिंदी दिवस का आयोजन

14 सितम्बर 2021 को पूरे देशभर में हिंदी दिवस को गर्व और हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इसी दिन (14 सितम्बर) 1949 में हिंदी को राजभाषा का दर्जा मिला था। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), श्रीनगर में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा 14 सितम्बर 2021 को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया जिसमें पूरे निफ्ट परिसर ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस उत्सव का ब्यौरा इस प्रकार है—

### उपस्थित जन:

निरीक्षक/विशेषज्ञ— प्रो. विनोद तनेजा, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर से हिंदी विभाग के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त

मुख्य अतिथि— डॉ० जावेद अहमद वानी, परिसर निदेशक

संपूर्ण निफ्ट परिसर

### कार्यवाही—

हिंदी दिवस पर वक्ता ऋतु सिंह, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने संपूर्ण निफ्ट परिसर को संबोधित करते हुए हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दीं तथा माननीय महानिदेशक, निफ्ट; महोदय शांतमनु जी का संदेश पढ़कर सुनाया। इसके उपरांत विशेषज्ञ प्रो. विनोद तनेजा जी ऑनलाइन माध्यम से परिसर से जुड़े। वक्ता ने उनका स्वागत करते हुए उनका परिचय दिया तथा उनसे दो शब्द कहने का अनुरोध किया। प्रो. विनोद तनेजा जी ने हिंदी व इसके उत्तरोत्तर बढ़ते उपयोग तथा जीवन में इस भाषा की आवश्यकता से सभी को अवगत कराया। साथ ही, प्राचीनतम रूप संस्कृत से लेकर आधुनिक रूप हिंदी तक की भाषाई यात्रा से परिचित कराया।

तनेजा जी के व्याख्यान के समापन के बाद विभिन्न अधिकारियों, मंत्रियों द्वारा भेजे गए संदेशों का पाठन किया गया। जिसमें दर्शना जरदोश जी, रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री का संदेश सहायक प्राध्यापक नयनतारा सिंह द्वारा; यू. पी. सिंह जी, सचिव, वस्त्र मंत्रालय का संदेश लेखा अधिकारी श्री मान सिंह द्वारा तथा श्री पीयूष गोयल, वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्री का संदेश कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ऋतु सिंह द्वारा पढ़ा गया। इसके उपरांत सभी ने राजभाषा प्रतिज्ञा ली। इसके उपरांत परिसर निदेशक महोदय ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ ज्ञापित कीं। पिछली उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने निफ्ट श्रीनगर में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने हेतु प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए आंतरायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया।

सभी संदेशों के पूरा होने के बाद हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनका विवरण इस प्रकार है—

**1 कविता वाचन प्रतियोगिता—** इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वयं रचित हिंदी कविताओं का पाठ किया।

**प्रतिभागी—1** श्री मान सिंह

2 सुश्री इरम जहूर

3 सुश्री नयनतारा सिंह

4 श्री अभिषेक

श्री विनोद तनेजा जी ने कविताओं का मूल्यांकन किया तथा पुरस्कार और प्रमाण-पत्र के लिए योग्यता के क्रम में विजेताओं की घोषणा की।

**विजेता—** प्रथम पुरस्कार— श्री मान सिंह —1500 रु. तथा प्रमाण पत्र

द्वितीय पुरस्कार— सुश्री नयनतारा सिंह —1000 रु. तथा प्रमाण पत्र

**श्री मान सिंह द्वारा रचित कविता—**

“न कवि हूँ न शायर और न ही कोई गायक  
लिख दिए दो शब्द हिंदी पर, समझो गर इस लायक

असमंजस में हूँ थोड़ा, थोड़ा हूँ कन्फ्यूज़  
हिंदी में दिल की बात कहूँ या इंगलिश का करूँ यूज

एक तरफ राजभाषा है तो दूसरी और भाषा का राज है  
22 हैं संविधान की, राष्ट्रीय है हिंदी तुझ पर हमें नाज़ है

हम तो जानते थे चाचा, मामा, बुआ मौसी क्या रिश्ते-नाते हैं  
बट न्यू जनरेशन के लिए ये सब अंकल-आंटी हो जाते हैं

हिंदी में बात करें तो नासमझ,  
अंग्रेज़ी में क्यों जैन्टलमेन हो जाते हैं

अंग्रेज़ी का असर आजकल, तो मुश्किल हिंदी का सफ़र हो गया है  
देशी घी बटर आजकल, तो चाकू सीधे कटर हो गया है

माना अंग्रेज़ी आना ज़रूरी है पर हिंदी ऐसे तो न बोलो कि मजबूरी है!

होते हैं भाव कुछ और कहने के, सामने वाला अक्सर संदेह कर जाता है,  
सकारात्मक और नकारात्मक दो पहलू हैं हर बात के

सोचना हर किसी का अलग रुख कर जाता है

अंग्रेजी, फारसी, जापानी समझाने में हर कोई नाकाम हो जाता है  
दूर हो जाते हैं सारे संदेह जब कोई हिंदी अपनाता है

वाकिफ़ हैं सभी आज, 14 सितम्बर, हिंदी दिवस मनाना है  
संकल्प सबका राजभाषा अधिनियम 1963-2011 अपनाना है

कितनी सरल, सहज और मधुर है हिंदी यही सबको समझाना है  
व्यक्तिगत वार्तालाप हो या हो सरकारी पत्राचार,, हिंदी सिर्फ़ और सिर्फ़ तुम्हें अपनाना है!

देश का गौरव, वतन की शान, आशा भविष्य की माना है,  
भाषाएँ सम्मानित सभी हैं, राष्ट्रभाषा हिंदी कश्मीर से कन्याकुमारी तक, यही संदेश पहुँचाना है।”

**2 कार्यालयी अभिव्यक्तियों का अनुवाद प्रतियोगिता**— इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अंग्रेज़ी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेज़ी कार्यालयीन अभिव्यक्तियों का अनुवाद किया।

**प्रतिभागी**—1 श्री मान सिंह

2 सुश्री इरम ज़हूर

3 नयनतारा सिंह

4 विशाल कुमार

5 श्री आबिद

6 श्री अब्दुल राशिद मलिक

7 सुबीना

श्री विनोद तनेजा जी ने कार्यालयी अभिव्यक्तियों का अनुवाद प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया तथा पुरस्कार और प्रमाण-पत्र के लिए योग्यता के क्रम में विजेताओं की घोषणा की।

**विजेता**— प्रथम पुरस्कार— श्री मान सिंह —1500 रु. तथा प्रमाण पत्र

द्वितीय पुरस्कार— सुश्री इरम ज़हूर —1000 रु. तथा प्रमाण पत्र

प्रतियोगिताओं के समापन तथा विजेताओं की घोषणा के बाद हमारे परिसर के परामर्शदाता श्री अब्दुल राशिद मलिक और श्री निसार अहमद भट द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अंत में जलपान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हिंदी दिवस के आयोजन का समापन हुआ।

## **HINDI DIWAS CELEBRATION AT NIFT SRINAGAR**

On 14 September, 2021; Hindi *Diwas* is celebrated with pride and joy all over the country. On this day (14 September) in 1949, Hindi got the status of official language. Like every year, this year also Hindi *Diwas* was organized by Rajbhasha Cell at National Institute of Fashion Technology (NIFT) Srinagar on 14<sup>th</sup> of September 2021 in which entire NIFT campus participated enthusiastically. The details of the celebration of this event are as follows-

### **Present:**

Expert/Evaluator- Prof. Vinod Taneja, retired from the post of HOD of Hindi Department at Guru Nanank Dev University, Amritsar

Chief Guest- Dr. Javid Ahmad Wani, Campus Director

The whole NIFT, Srinagar Campus

### **Proceedings:**

Speaking on Hindi *Diwas*, Speaker Ritu Singh, Junior Translation Officer, while addressing the entire NIFT campus, gave the best wishes of Hindi Day and read out the message of Honorable Director General, NIFT, Mr. Shantamanu. Thereafter, expert Prof. Vinod Taneja *ji* connected online with the campus. The speaker welcomed him and introduced him and requested him to give his wishes. Prof. Vinod Taneja *ji* made everyone aware of Hindi and its increasing use and the need of this language in Indian society. He also gave the details of the linguistic journey from the old form Sanskrit to the modern form Hindi.

After the conclusion of Taneja *ji*'s lecture, the messages sent by various officers, ministers were read. The message of Ms. Darshana Jardosh, Minister of State for Railways and Textiles was read by Ms. Nayantara Singh (AP); The message of U.P. Singh, Secretary, Ministry of Textiles was read by Mr. Man Singh, the Accounts Officer and the message of Shri Piyush Goyal, Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs, Food and Public Distribution and Textiles was read by Ms. Ritu Singh, Junior Translation Officer. Thereafter, everyone took the Rajbhasha Pledge. At the end, the Director of Campus addressed everyone on the

occasion of Hindi *Diwas*. While highlighting the achievements made in the recent past, he emphasized conducting intermittent training programs for the administrative staff in order to increase the use of Rajbhasha in NIFT Srinagar.

After the completion of all the messages, Hindi competitions were organized, the details of which are as follows-

**1. Poem Recitation Competition-** In this competition participants recited their self-written poems

**Participants-**

1. Shri Man Singh
1. Ms. Iram Zahoor
2. Ms. Nayantara Singh
3. Shri Abhishek

The poems were evaluated by expert Shri Vinod Taneja and the winners were declared by him in order of merit for prize and certificate.

**Winners-** First Prize- Shri Man Singh - Rs.1500/- and Certificate  
Second Prize- Ms. Nayantara Singh - Rs.1000/- and Certificate

## **Poem written by Shri Man Singh** **(Transliterated from Hindi)**

*“Na kavi hoon na shayar aur na hi koi gayak  
Likh diye do shabd Hindi par samjho gar iss laayak*

*Asamanjas mein hoon thoda, thoda hoon confuse  
Hindi mein dil ki baat kahoon ya English ka karoon use*

*Ek taraf Rajbhasha hai toh dusri aur bhasha ka raj hai  
22 hain samvidhan ki, rashtriya hai Hindi tujh par hamein naaz hai*

*Ham toh jante ye chacha, mama, bua, mausi kya rishte naate hain  
But new generation ke liye yeh sab uncle-aunty ho jaate hain.*

*Hindi mein baat karein toh naasamajh,  
Angrezi mein kyu gentleman ho jaate hain.*

*Angrezi ka asar aajkal, toh mushkil Hindi ka safar ho gya hai  
Deshi ghee butter aajkal, toh chaku seedhe cutter ho gaya hai.*

*Mana English aana zaroori hai par Hindi aise toh na bolo ki majboori hai.*

*Hote hain bhav kuch aur kehne ke, samne wala aksar sandeh kar jata hai  
Sakaaratmak aur nakaaratmak 2 pehlu hain har baaat ke  
Sochna har kisi ka alag rukh kar jaata hai.*

*Angrezi, Farsee, Japaani samjhane mein har koi naakam ho jata hai  
Door ho jate hain sare sandeh jab koi Hindi apnata hai.*

*Waaqif hain sabhi aaj 14 sitambar Hindi Diwas manana hai  
Sankalp sabka Rajbhasha Adhinyam 1963-2011 apnana hai.*

*Kitni saral, sahaj aur madhur hai Hindi yhi sabko samjhana hai  
Vyaktigat vaartalap ho ya ho sarkari patraachaar, Hindi sirf aur sirf tumhein apnaana hai.*

*Desh ka gaurav, vatan ki shaan, aasha bhavishya ki maana hai  
Bhashaein sammanit sabhi hain, rashtrbhasha Hindi Kashmir se Kanyakumari tak yahi  
sandesh pahunchana hai.”*

**2. Administrative Expressions Translation Competition-** In this competition participants were given questions on administrative expressions to translate from Hindi to English and vice versa.

**Participants-**

1. Shri Man Singh
2. Ms. Iram Zahoor
3. Ms. Nayantara Singh
4. Shri Vishal Kumar
5. Shri Abid
6. Shri Abdul Rashid Malik
7. Mrs. Subeena

The Administrative Expressions Translation Competition was evaluated by expert Shri Vinod Taneja and the winners were declared by him in order of merit for prize and certificate.

**Winners-** First Prize- Shri Man Singh - Rs.1500/- and Certificate  
Second Prize- Ms. Iram Zahoor - Rs.1000/- and Certificate

After the conclusion of the competitions and the announcement of the winners,

certificates were given to the participants by the consultants of our campus-Mr. Abdul Rashid Malik and Mr. Nisar Ahmed Bhat. At the end, the celebration of Hindi *Diwas* ended with refreshments and vote of thanks.

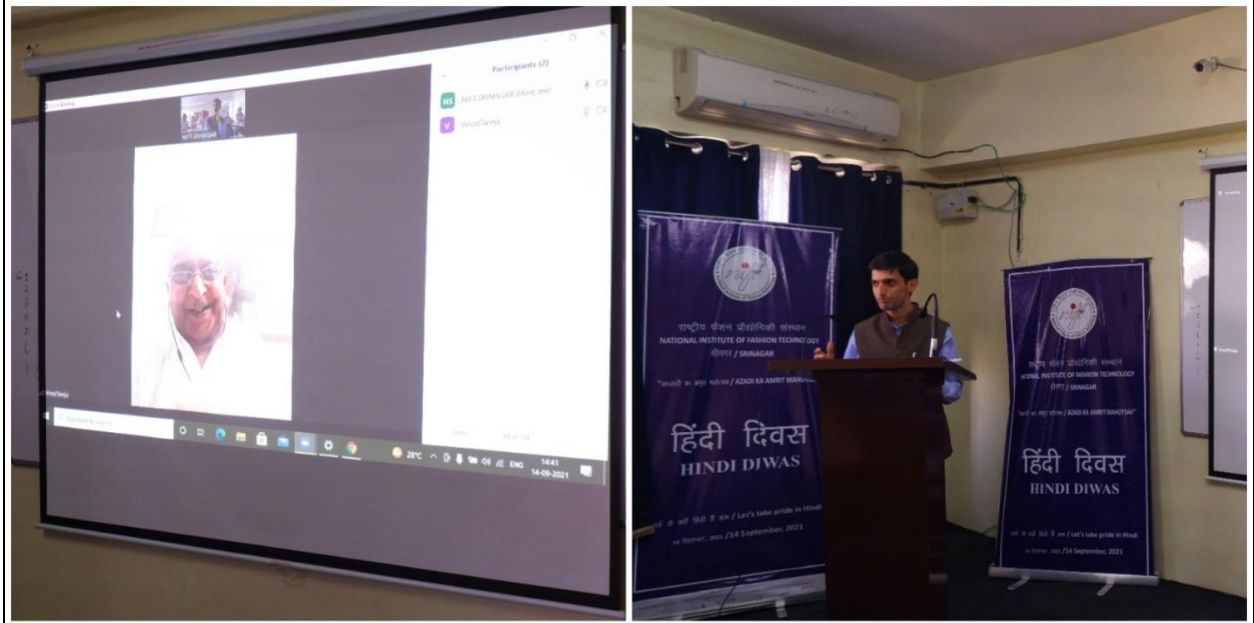




# हिंदी दिवस 2021

## HINDI DIWAS 2021





“वही भाषा जीवित और जागृत रह सकती है जो जनता का ठीक-ठाक प्रतिनिधित्व कर सके और हिंदी इसमें समर्थ है।”

— पीर मुहम्मद मुन्सि

“भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है।

हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है।”

— नरेन्द्र मोदी

“हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।”

— डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

“आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते हैं, उसी तरह लिखा भी कीजिए। भाषा बनावटी नहीं होनी चाहिए।”

— महावीर प्रसाद द्विवेदी

